पहले की ही तरह साल में एक बार होगा नीट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : मेडिकल में प्रवेश के लिए होने वाली नीट (नेशनल एलिजबिलिटी कम एंट्रेस टेस्ट) यानी राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा अब पुराने तरीके से ही होगी। यानी साल में एक बार और पेन-पेपर के जरिये होगी। अगली परीक्षा अगले साल 5 मई को होगी। इसके लिए रजिस्ट्रेशन एक नंबर से शुरू होगा।

जेईई मेंस साल में अब दो बार : जेईई मुख्य परीक्षा अब साल में दो बार होगी। एनटीए ने इसे लेकर परीक्षा कार्यक्रम भी जारी कर दिया है। जारी कार्यक्रम के तहत जेईई मुख्य पहली परीक्षा 6 से 20 जनवरी 2019 के बीच होगी, जबकि दूसरी परीक्षा 6 से 20 अप्रैल 2019 के बीच होगी। दोनों ही परीक्षाएं कंप्यूटर बेस्ड यानी ऑनलाइन होंगी। एनटीए ने इसके अलावा यूजीसी नेट 2018 और सीमैट और जीपैट परीक्षाओं का भी कार्यक्रम जारी किया है। इनमें यूजीसी नेट की परीक्षा 9 से 23 दिसंबर 2018 के बीच होगी, जबकि सीमैट और जीपैट की परीक्षा 28 जनवरी 2019 को होगी।

संबंधित खबर >> 20

Scanned by CamScanner

स्वास्थ्य मंत्रालय की आपत्ति के बाद टला दो बार नीट कराने का फैसला

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : स्वास्थ्य मंत्रालय की आपत्ति के बाद मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने आखिरकार साल में दो बार नीट कराने की अपनी महत्वाकांक्षी योजना को टाल दिया है। ऑनलाइन परीक्षा कराने के प्रस्ताव को भी हटा दिया गया है।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को नीट, जेईई सहित कई अन्य परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी किया। ये परीक्षाएं अभी तक सीबीएसई आयोजित करती रही है। पहली बार इन परीक्षाओं का जिम्मा एनटीए को सौंपा गया है। नीट के पैटर्न में बदलाव को लेकर यह हलचल उस समय शुरू हुई, जब मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने इनमें बदलावों को लेकर अधिकृत तौर पर घोषणा की। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानक के तहत साल में दो बार परीक्षाएं होनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने नीट और जेईई मुख्य परीक्षाओं को भी साल में दो बार कराने की घोषणा की। साथ ही कहा कि इससे उन छात्रों के लिए आसानी होगी, जिन्हें किन्हीं कारणवश पेपर खराब होने या न दे पाने के चलते पूरे साल भर इन परीक्षाओं का इंतजार करना पड़ता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय का यह प्लान जैसे ही स्वास्थ्य मंत्रालय के पास पहुंचा, उसे सिरे से खारिज कर दिया गया।

Scanned by CamScanner